26/05/2020

Subject - Pedagogy of Commerce
Topic - Curriculum Development

B.Ed. Ist Year

पाठ्यक्रम विकास
Curriculum - Development

"पाठ्यक्रम विकास" का अर्थ निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया जो कभी समाप्त नही होती है, दूसरे शब्दो मे - अधिगम अवसरो के नियोजन द्वारा छात्रो के व्यवहारो मे विशिष्ट परिवर्तन लाना तथा परीक्षण द्वारा यह जानना कि किस सीमा तक अपेक्षित परिवर्तन हुआ है। इस प्रत्यय को पाठ्यक्रम विकास की संज्ञा दी जाती है।

यह प्रक्रिया चक्रीय तथा निरन्तर चलने वाली मानी जाती है। इसके प्रमुख चार तत्व माने जाते है।

1. उद्देश्य, 2. शिक्षण विधि, 3. परीक्षण, 4. पृष्ठपोषण.

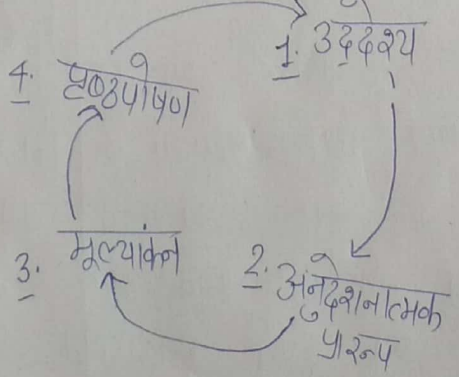

पाठ्यक्रम विकास की चक्रीय प्रक्रिया

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम के मूल तत्व :-

शिक्षण तथा अधिगम क्रियायें पाठ्यक्रम के ही प्रमुख तत्व माने जाते हैं। इस प्रकार पाठ्यक्रम के चार मूल तत्व माने जाते हैं—

1. उद्देश्य, 2. पाठ्यवस्तु, 3. शिक्षण विधियां, 4. मूल्यांकन

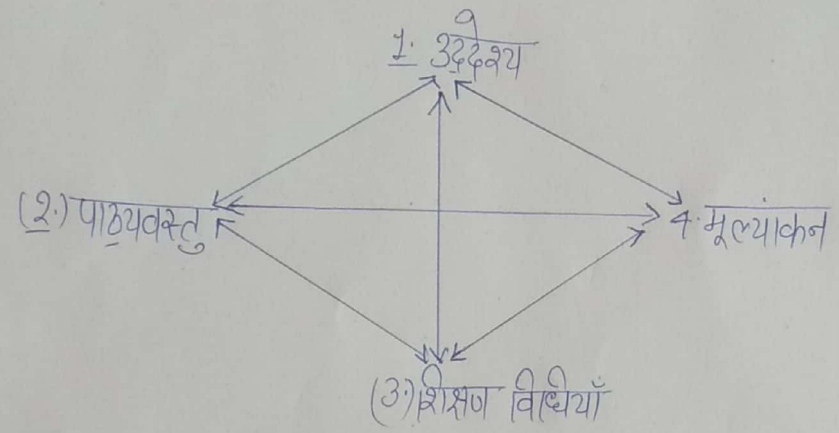

पाठ्यक्रम के मूल तत्वों में सम्बन्ध

1. शिक्षण उद्देश्य की दृष्टि से पाठ्यवस्तु, शिक्षण विधियों तथा परीक्षणों का नियोजन किया जाता है।
2. अधिगम परिस्थितियाँ पाठ्यवस्तु के स्वरूप को जो अधिक व्यापक होता है सुनिश्चित करती है।
3. शिक्षण विधियों का चयन उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु किया जाता है, जिसका सीधा सम्बन्ध पाठ्यवस्तु से होता है
4. परीक्षा द्वारा पाठ्यवस्तु तथा शिक्षण विधियों की उपादेयता के सम्बन्ध में जानकारी होती है और जो पाठ्यवस्तु के स्वरूप को सुनिश्चित करते हैं।

Continue---

Scanned with CamScanner